अध्याय-14

वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद

वन अनुसंधान केन्द्र; हैदराबाद ने काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में जून, 1997 में कार्य करना शुरू किया। राज्य वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई 40 हैक्टेयर भूमि पर अनुसंधान केन्द्र के लिए भवन और कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण का कार्य चल रहा है।

केन्द्र के निम्न उद्देश्य हैं :

(क) सामाजिक रूप से सम्बद्ध बहुउद्देशीय वानिकी प्रजातियों पर वृक्ष सुधार अध्ययन, बीज उत्पादन क्षेत्रों की पहचान, बीजोद्यानों की स्थापना करना।

(ख) ऊतक संवर्धन एवं प्रवर्ध्यो के बहुमात्र प्रवर्धन, जैव प्रौद्योगिकी, ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला और प्रवर्ध्यो के बहुमात्र प्रवर्धन सहित उपर्युक्त के लिए प्रौद्योगिकीय रूप से उच्चीकृत सुविधाएं स्थापित करना।

(ग) वन उत्पादन सुधारने के लिए चयनित बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों की आधुनिक पौधशाला, क्लोनीय और पौध बीजोद्यानों, जनन द्रव्य बैंक, उद्गमस्थल परीक्षण स्थापित करना।

(घ) कृषि वानिकी मॉडलों में अनुसंधान एवं प्रदर्शन।

(ङ) पूर्वी घाटों की जैवविधिता का अध्ययन करना। पारि-विक्षोम और पुनर्वास का प्रभाव मूल्यांकन।

(च) अकाष्ठ वन उत्पादों, दुर्लभ, संकटापन्न और संकटस्थ औषधियों पादपों और वन उत्पादों के रसायन का अध्ययन करना।

वित्तीय विवरण

I योजना			
क्र.सं.	उप-शीर्ष		व्यय (रू० लाख में)
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	9.28
		(ii) प्रशासनिक सहायता	3.19
		राजस्व व्यय 'क' का योग	13.19
	ख	ऋण और अग्रिम	
		(i) ऋण अग्रिम (वाहन)	0.50
		(ii) गृह निर्माण अग्रिम	-
		'ख' का योग	0.50
	ग	पूंजीगत व्यय	
		(i) भवन व सड़कें	-
		(ii) उपकरण, पुस्तकालय पुस्तकें	1.31
		(iii) वाहन	-
		'ग' का योग	1.31
		क+ख+ग (योजना) का कुल योग	15.00
II गैर- योजना			
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	-
		(ii) प्रशासनिक सहायता (वेतन)	-
		कुल योग गैर-योजना	-
		योजना+गैर-योजना का योग	15.00
III निर्धारित परियोजना			
1.	क.	विश्व बैंक परियोजना	1.11
	ख.	यू०एन०डी०पी० परियोजना	-
	ग.	नाबार्ड परियोजना	-
	घ.	एफ ओ आर टी आई पी	-
		(क+ख+ग+घ) निर्धारित परियोजना का कुल योग	1.11